No. of Printed Pages : 2 **BSKAE–181**

स्नातक उपाधि (सामान्य)/
स्नातक उपाधि (ऑनर्स) (संस्कृत)
(बी. ए. जी./बी. ए. एस. के. एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2026
बी.एस.के.ए.ई.-181 : भारतीय ज्ञान परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र कुल **दो** खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही उत्तर दीजिए।

(iii) सभी उत्तरों का माध्यम संस्कृत, हिन्दी या अंग्रेजी एक ही भाषा हो।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए **20** अंक निर्धारित हैं।* $3\times20=60$

1. 'वेद' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए वेदों का कालनिर्धारण एवं वैदिक संहिताओं का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।

2. 'ब्राह्मण' शब्द का अर्थ बताते हुए ब्राह्मण ग्रन्थों का देशकाल व उनके प्रतिपाद्य विषयों की विस्तृत चर्चा कीजिए।
3. प्राचीन भारतीय राजनैतिक व्यवस्था कैसी थी ? विधिक संस्थानों की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।
4. धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों के प्रतिपादित सामाजिक संस्थानों पर प्रकाश डालिए।
5. बौद्ध साहित्य में वर्णित भारतीय ज्ञान परम्परा पर प्रकाश डालिए।
6. आरण्यक एवं उपनिषद् साहित्य पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित हैं। $4 \times 10 = 40$

7. वेदांग पर प्रकाश डालिए।
8. सप्तांग सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।
9. विवाह संस्थानों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
10. प्राचीन शिक्षा-व्यवस्था कैसी थी ? स्पष्ट कीजिए।
11. षाड्गुण्य को स्पष्ट करते हुए उसके उपाय को बताइए।
12. संस्कार व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×